बिल्ली की पहली पूरनमासी

केविन हेनकेस

हिंदी : विदूषक

क्या रात है!
पूरा चाँद खिला है.
बिल्ली को भूख लगी है.
वो जिज्ञासु और बहादुर है,
तेज़ और ज़िद्दी है,
खुश्किस्तम है,
और कभी-कभी
बदनसीब भी!
क्या रात है!
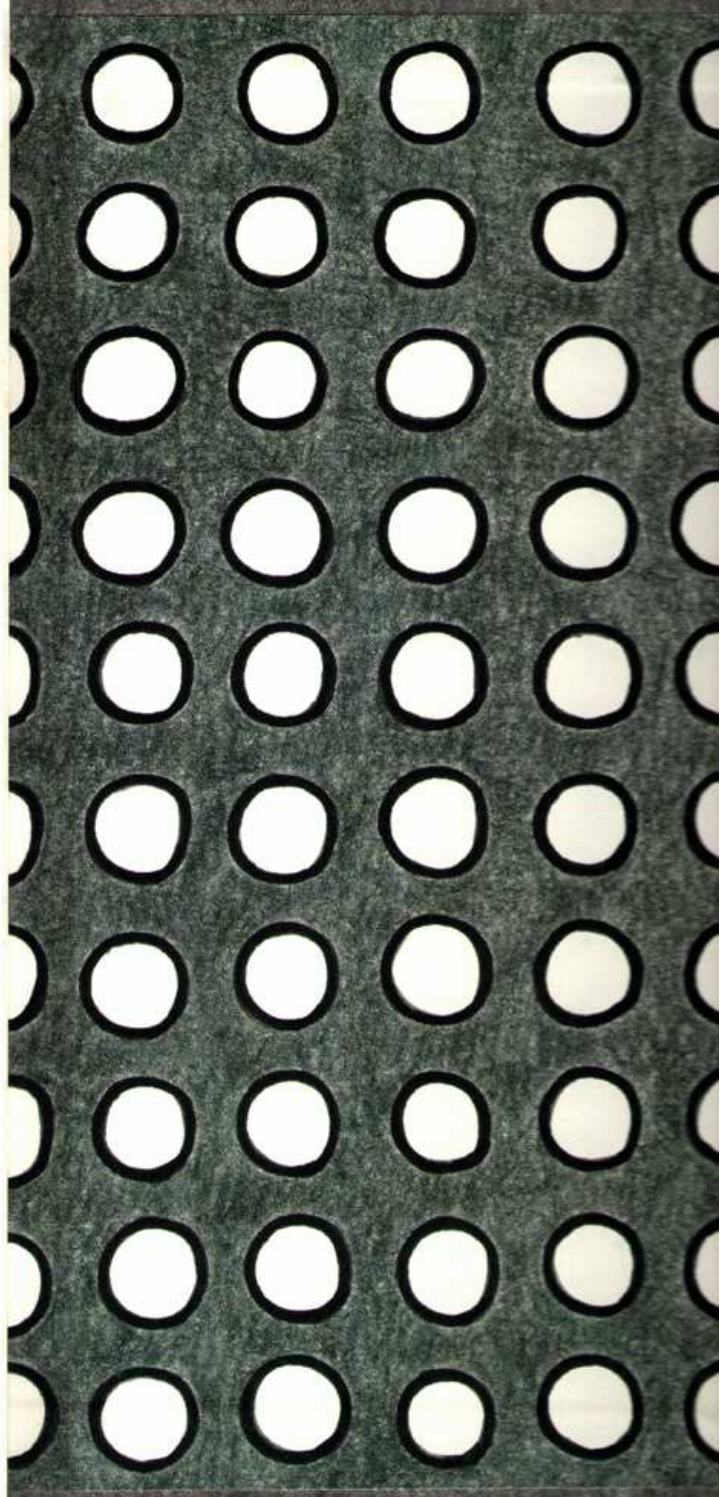
बिल्ली की
पहली पूरनमासी

बिल्ली की
पहली पूरनमासी

केविन हेनकेस

हिंदी : विदूषक
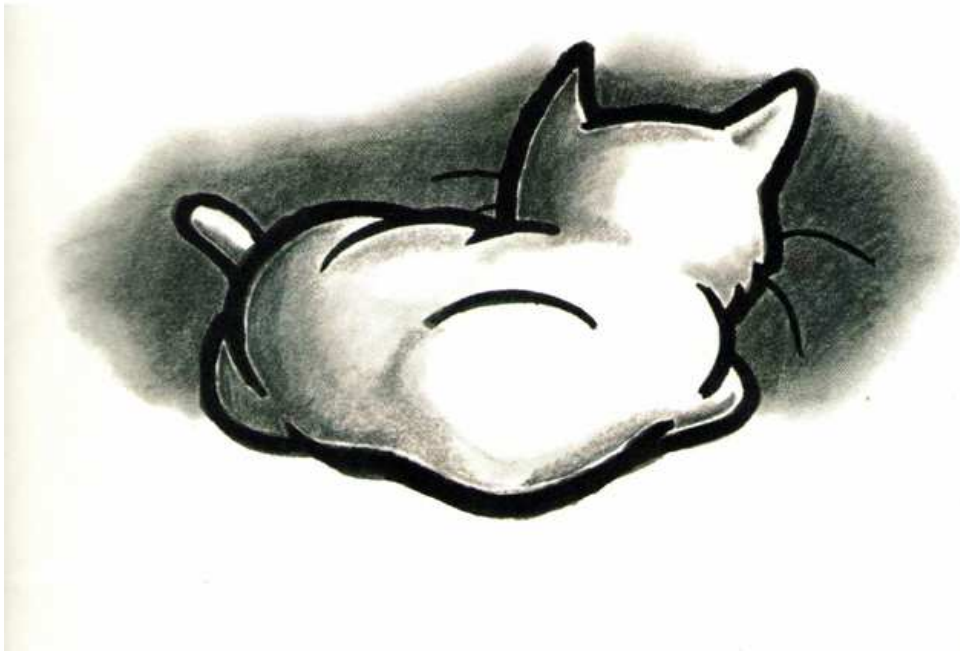
बिल्ली
की पहली
पूरनमासी
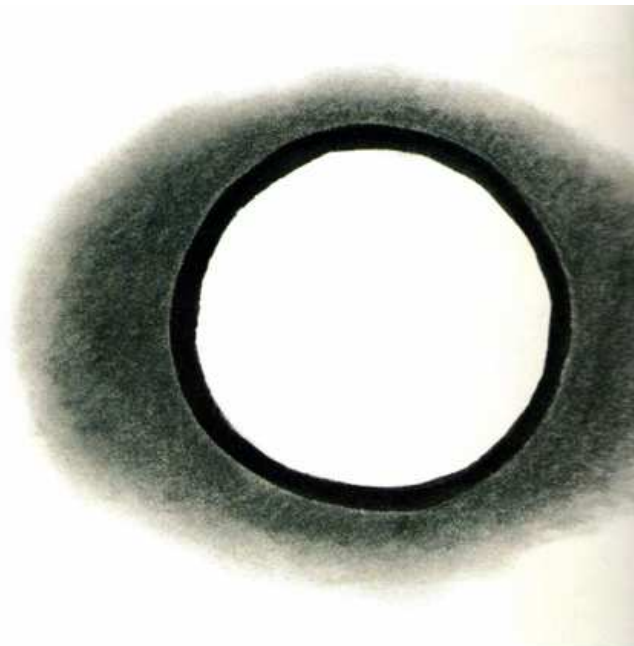
यह बिल्ली की पहली पूरनमासी थी.
जब उसने चाँद को देखा तो उसे लगा,
जैसे आसमान में दूध का कटोरा रखा हो.
वो दूध पीना चाहती थी.
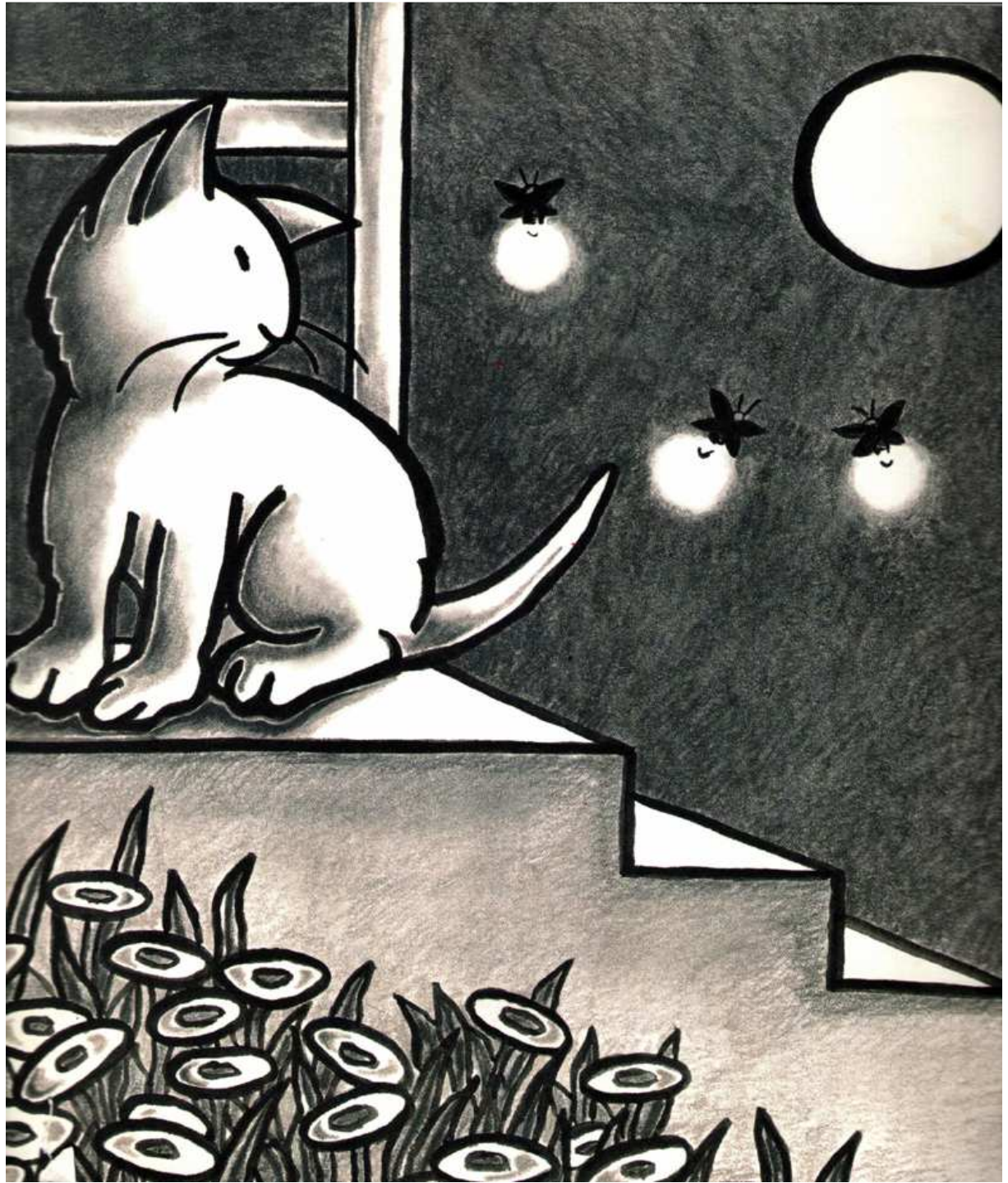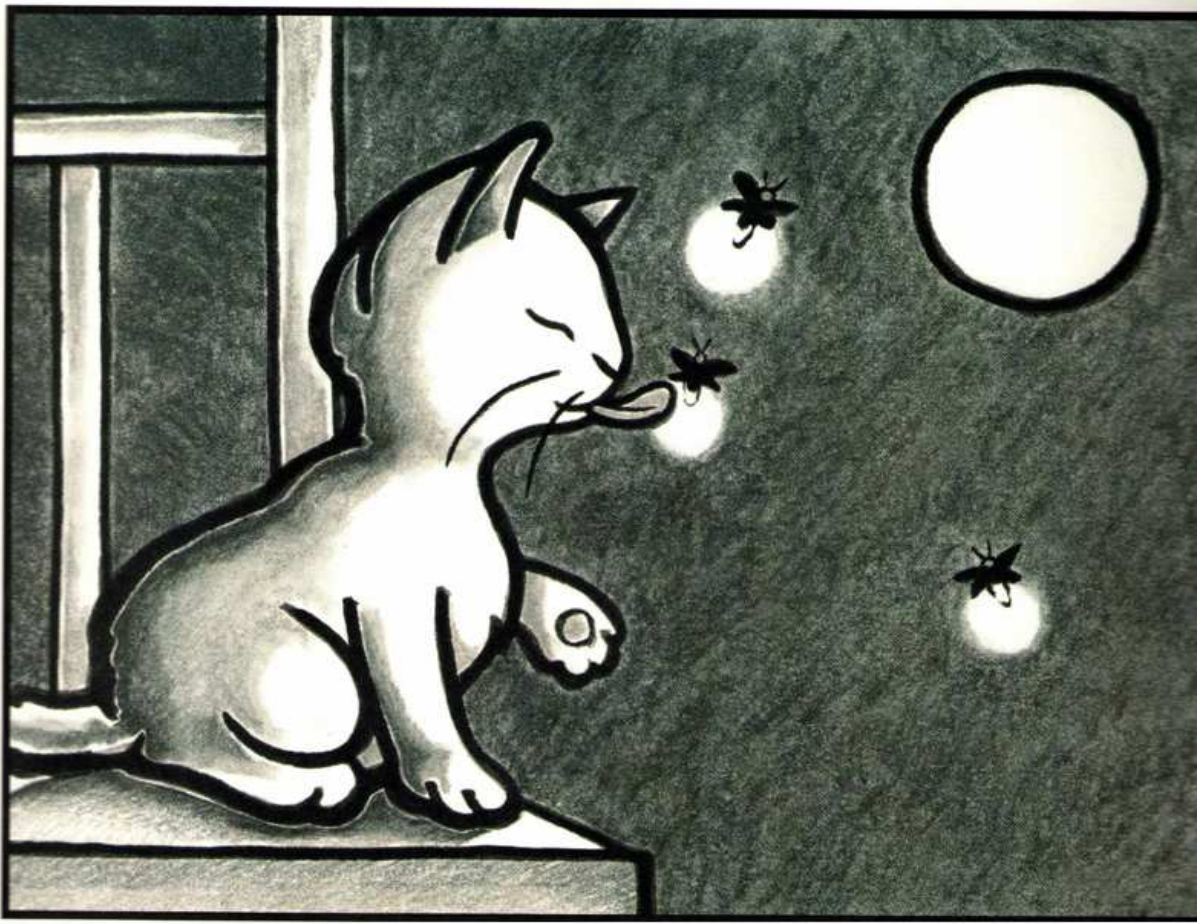
फिर उसने अपनी आँखें बंद कीं
और गर्दन को सीधा किया,
फिर उसने मुंह खोलकर मूछों को चाटा.

तभी बिल्ली की जीभ पर
एक उड़ता हुआ पतंगा आकर चिपका.
बिचारी बिल्ली!

पर दूध का छोटा कटोरा अभी भी ...

उसका इंतज़ार कर रहा था.

फिर उसने एक अंगड़ाई ली
और अपने पैरों को उचकाया
फिर वो ऊपर की सीढ़ी से कूदी.

पर हुआ क्या?

बिल्ली धम्म से गिरी, उसकी नाक पर चोट लगी,

कान ज़मीन से टकराया और पूँछ मुड़ी.

बिचारी बिल्ली!

पर दूध का छोटा कटोरा अभी भी ...
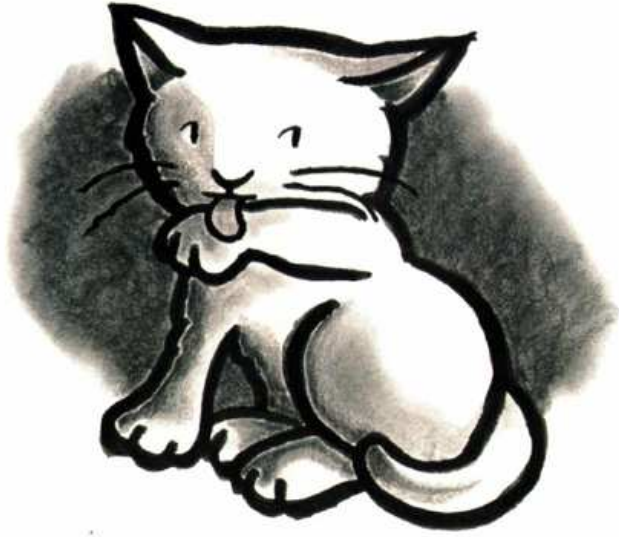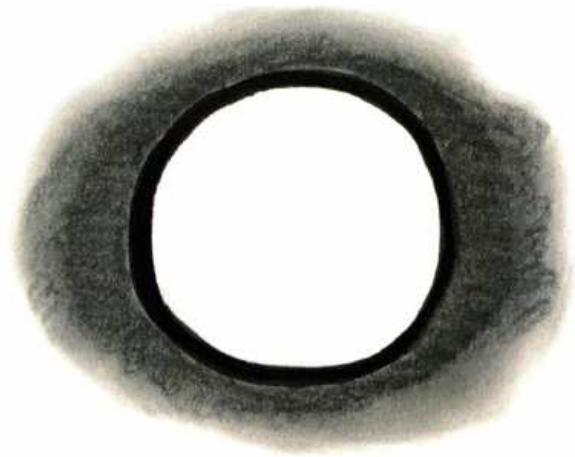
उसका इंतज़ार कर रहा था.

फिर उसने उसका पीछा किया -
वो फुटपाथ से बगीचे में दौड़ी,
फिर खेत से होकर
तालाब के पास पहुंची.
पर वहां कहीं दूध का कटोरा नहीं था.
बिचारी बिल्ली!
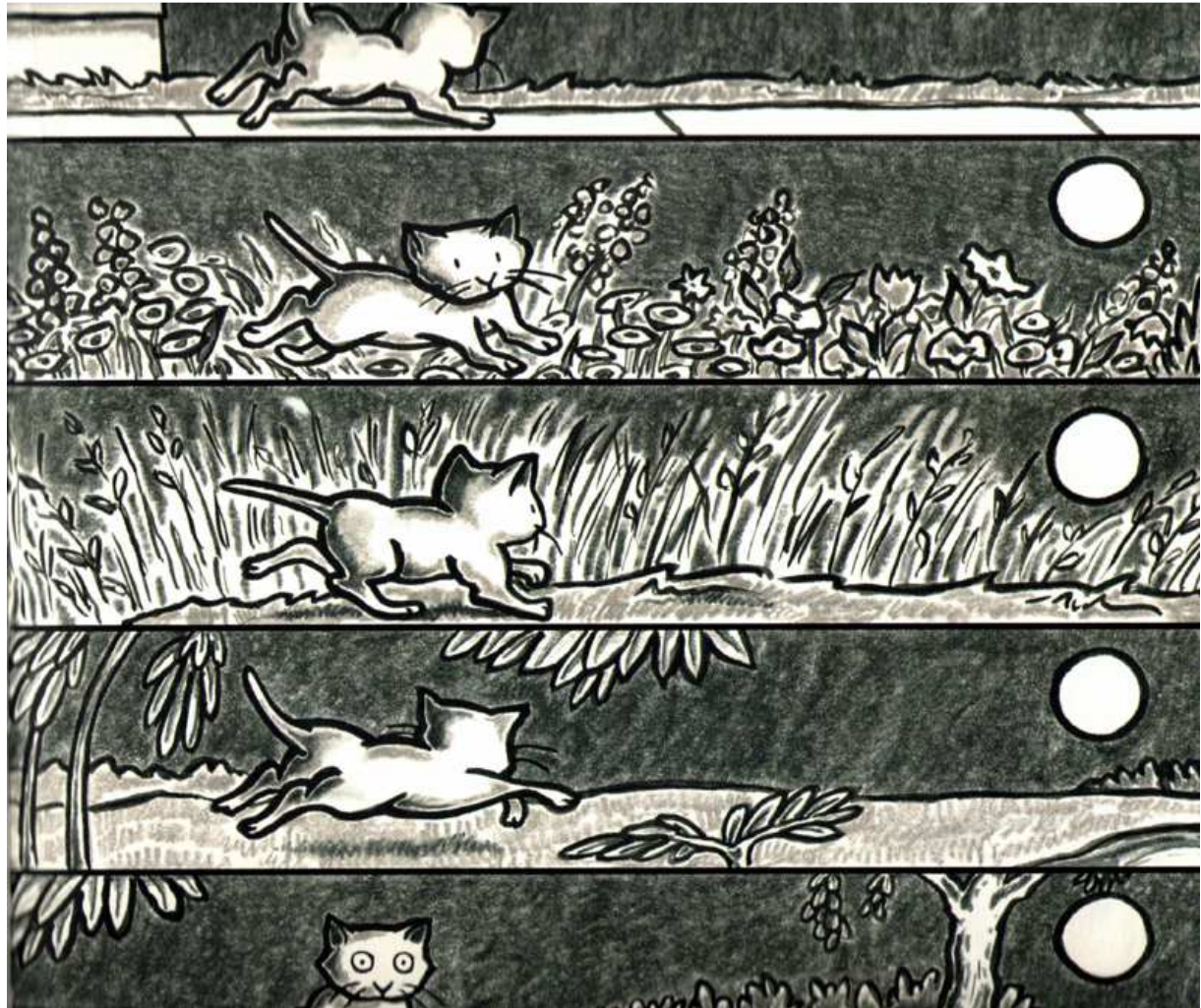
पर दूध का छोटा कटोरा अभी भी ...
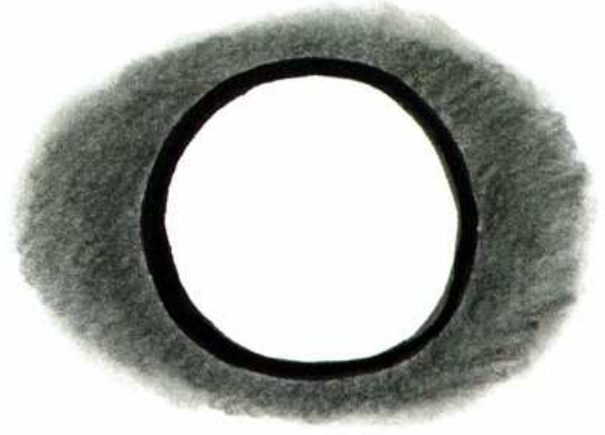
उसका इंतज़ार कर रहा था.

फिर उसे जो
सबसे ऊंचा पेड़ दिखा
वो उसपर चढ़ी,
वो ऊपर, और ऊपर
और ऊपर
चढ़ती ही गयी.
अंत में वो
सबसे ऊपर की
टहनी पर पहुँची.

पर बिल्ली को
वहां भी
दूध का छोटा कटोरा
नहीं मिला.
तब बिल्ली
घबराई.
बिचारी बिल्ली!
वो और भला
क्या करती?

उतनी ऊंचाई से बिल्ली को
एक और दूध का कटोरा दिखा.
वो कटोरा बहुत बड़ा था.
क्या रात थी!
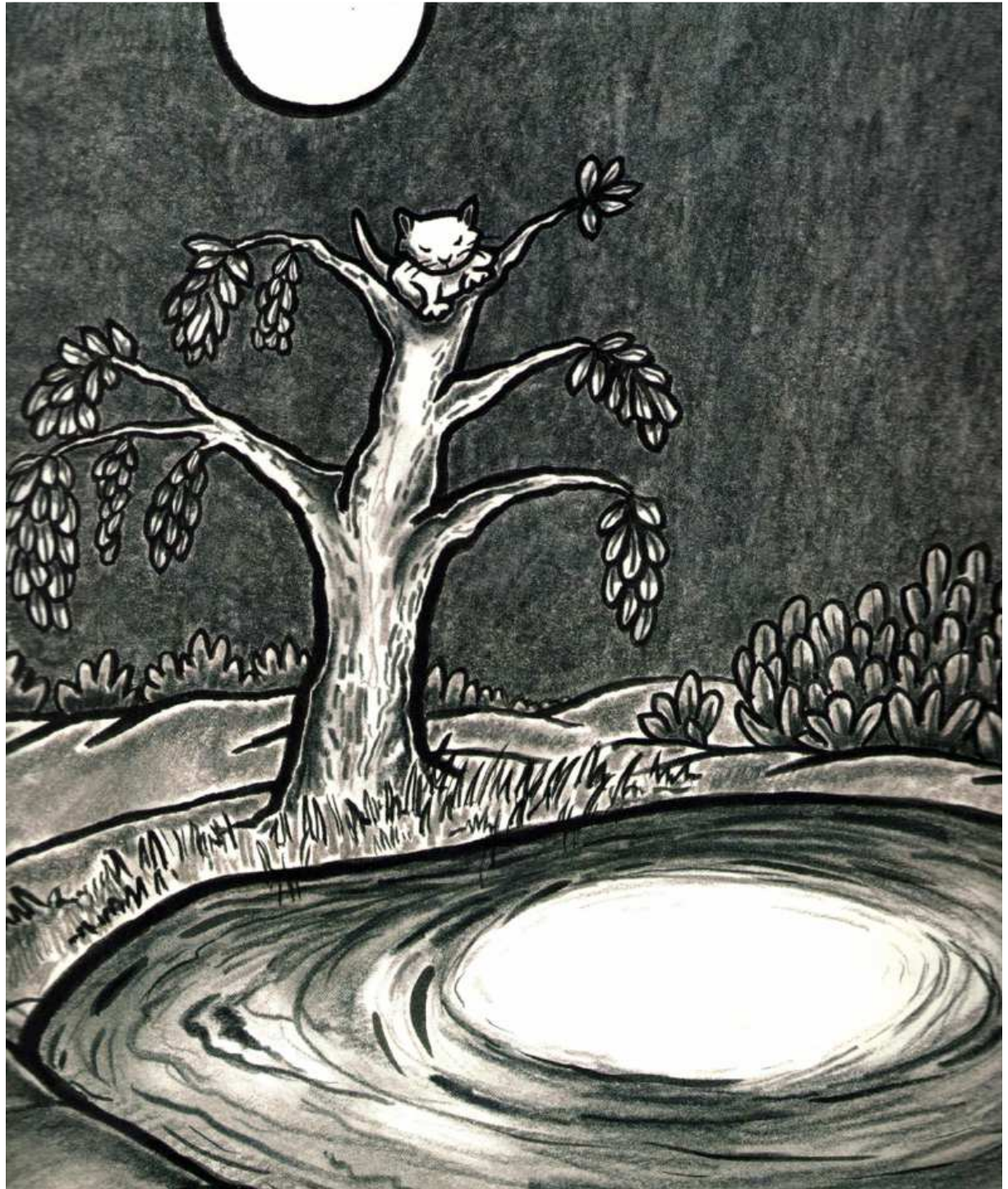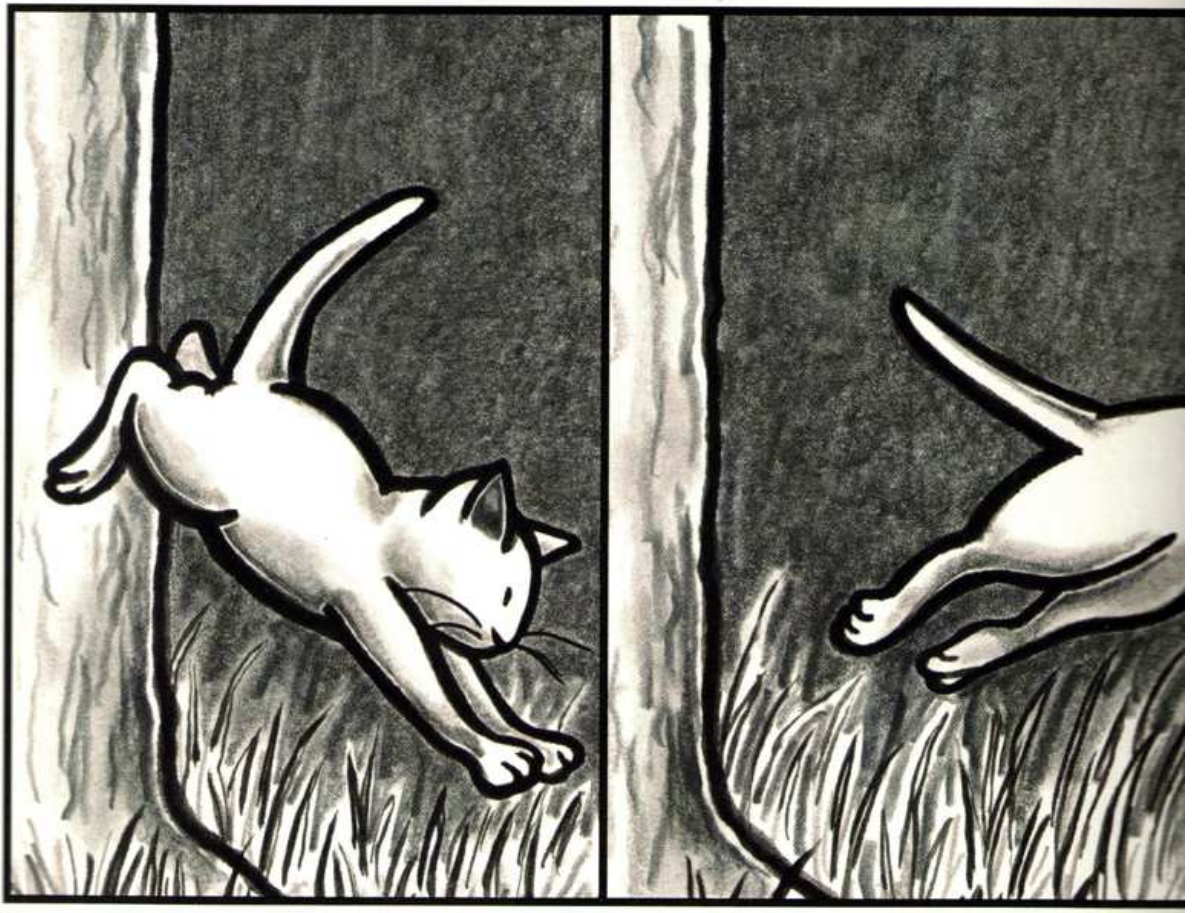
फिर वो झटपट पेड़ से नीचे उतरी
और घास के मैदान की ओर दौड़ी
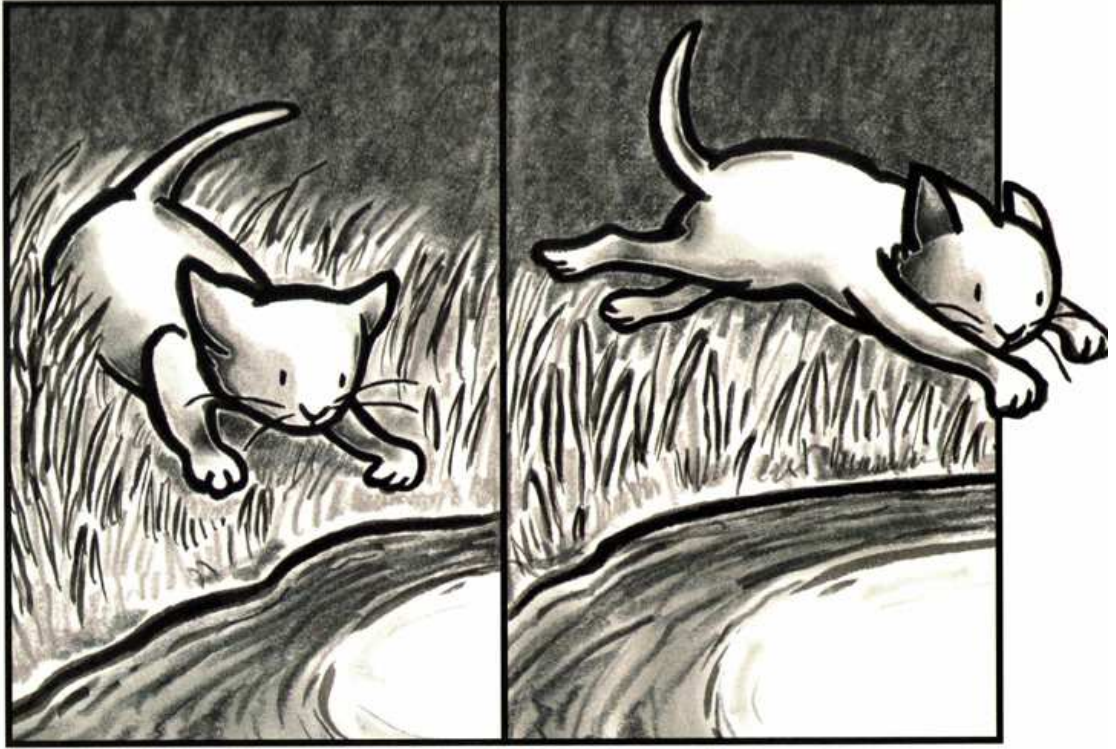
फिर तालाब के किनारे पहुँच कर
उसने तालाब में जोर से छलांग लगाई -

बिचारी बिल्ली!
वो भीगी थी, उदास, थकी
और भूखी थी.
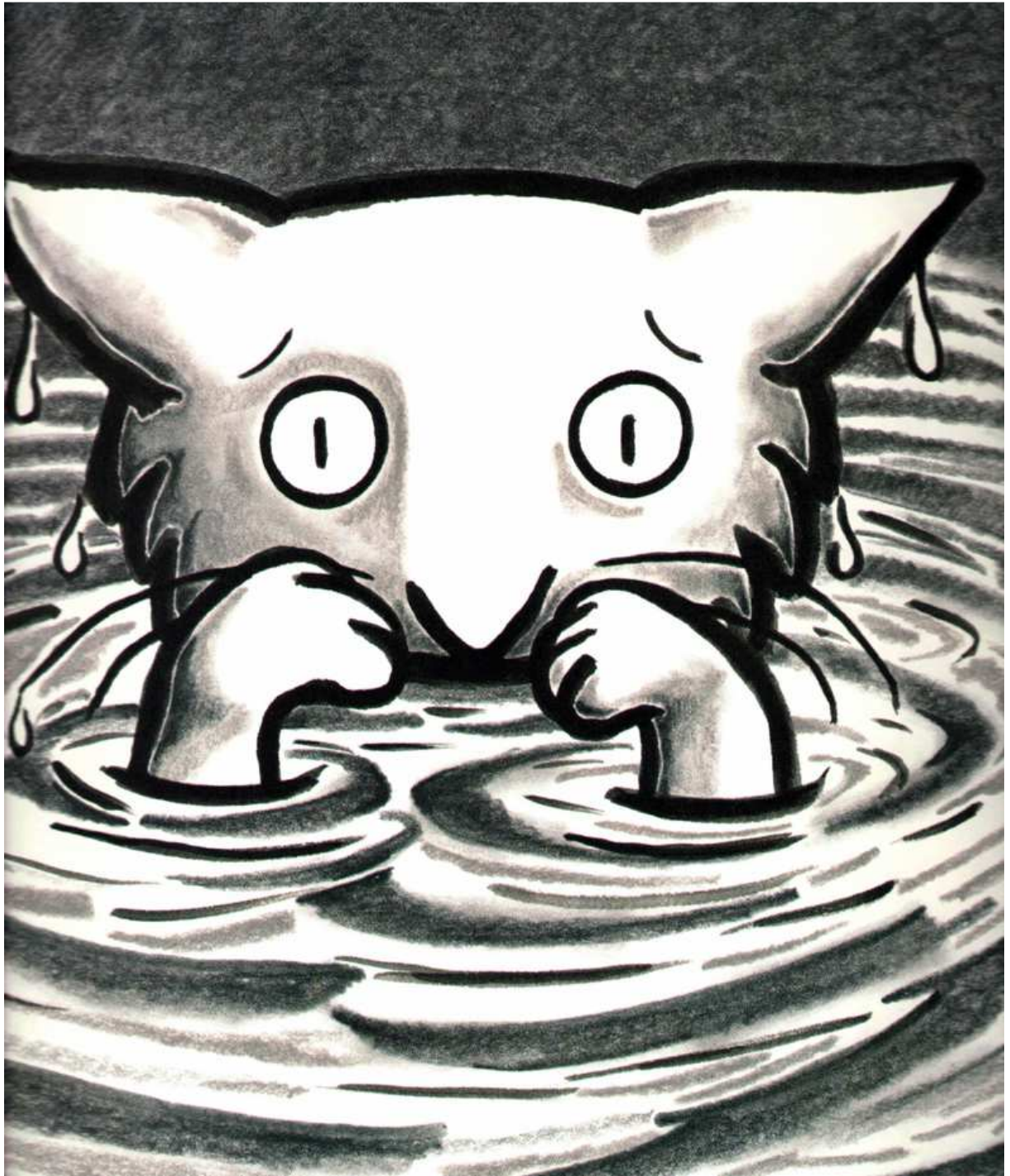
झक मार के
वो वापिस घर पहुंची -
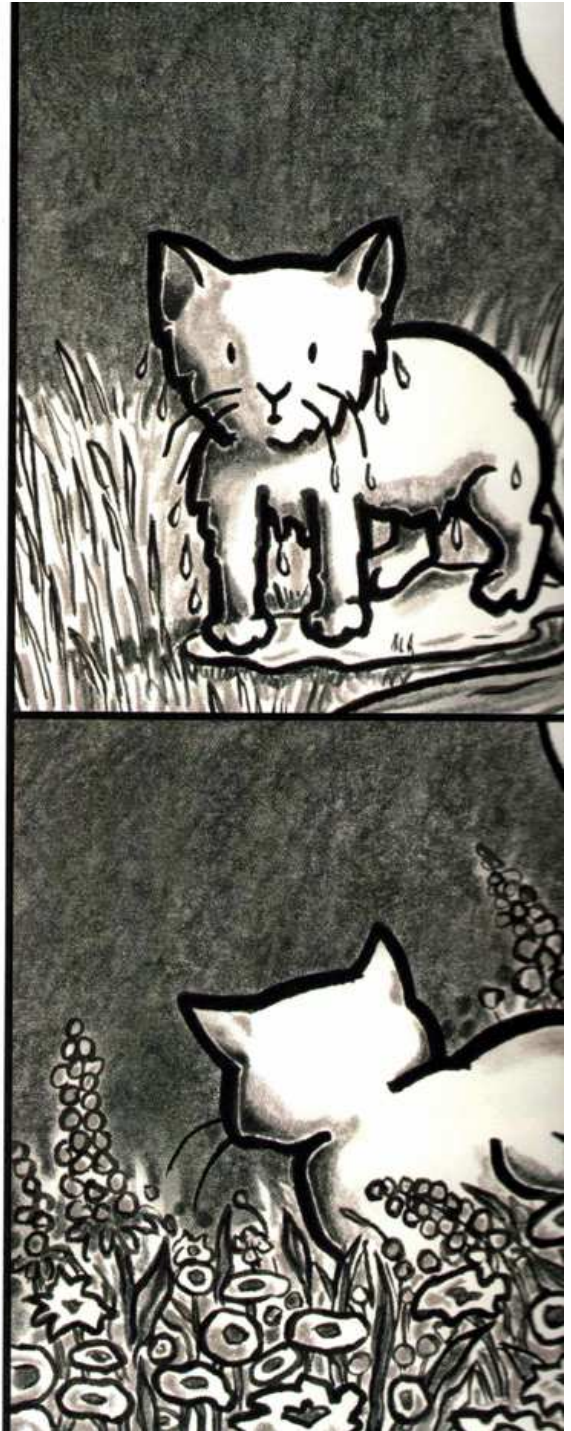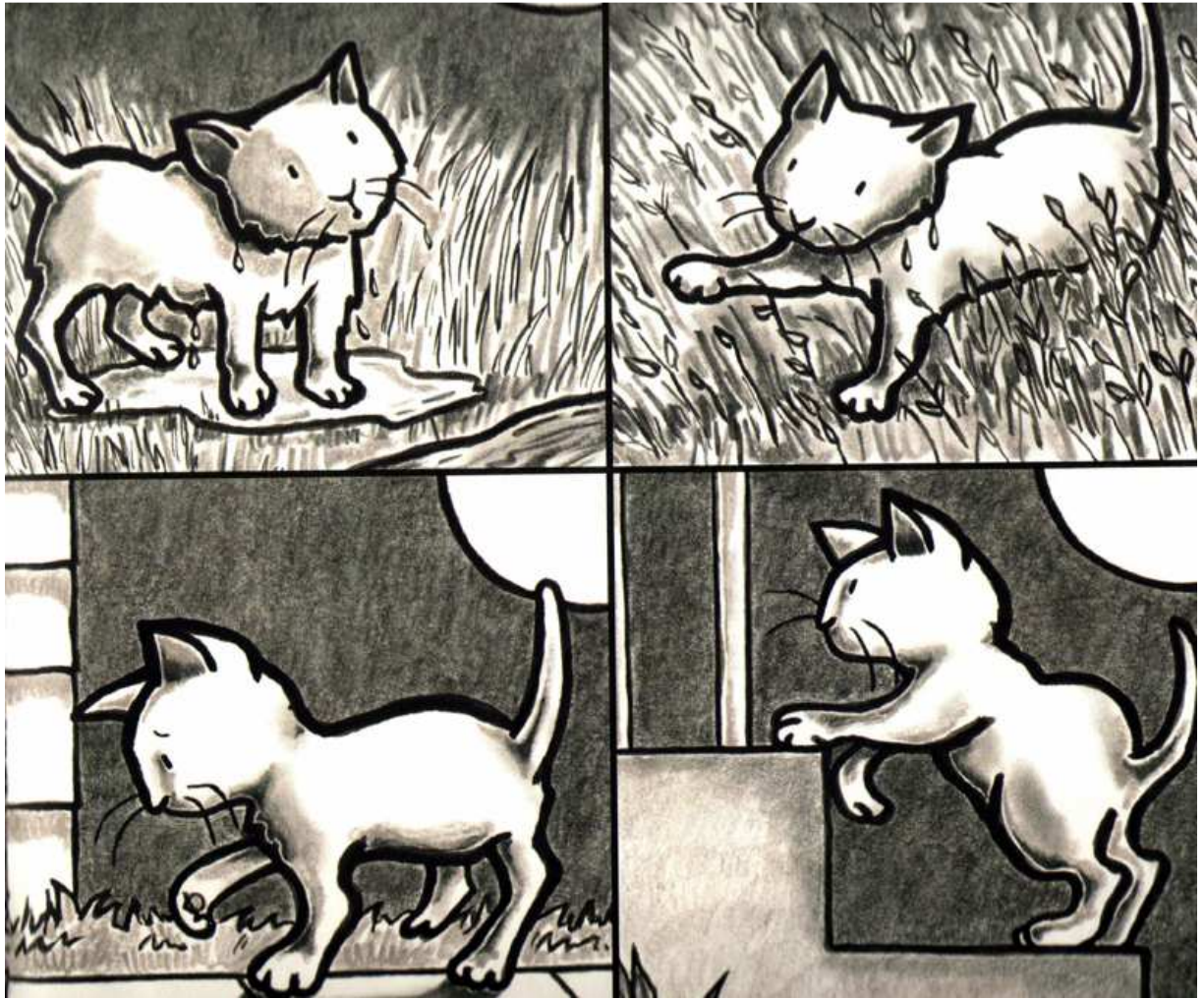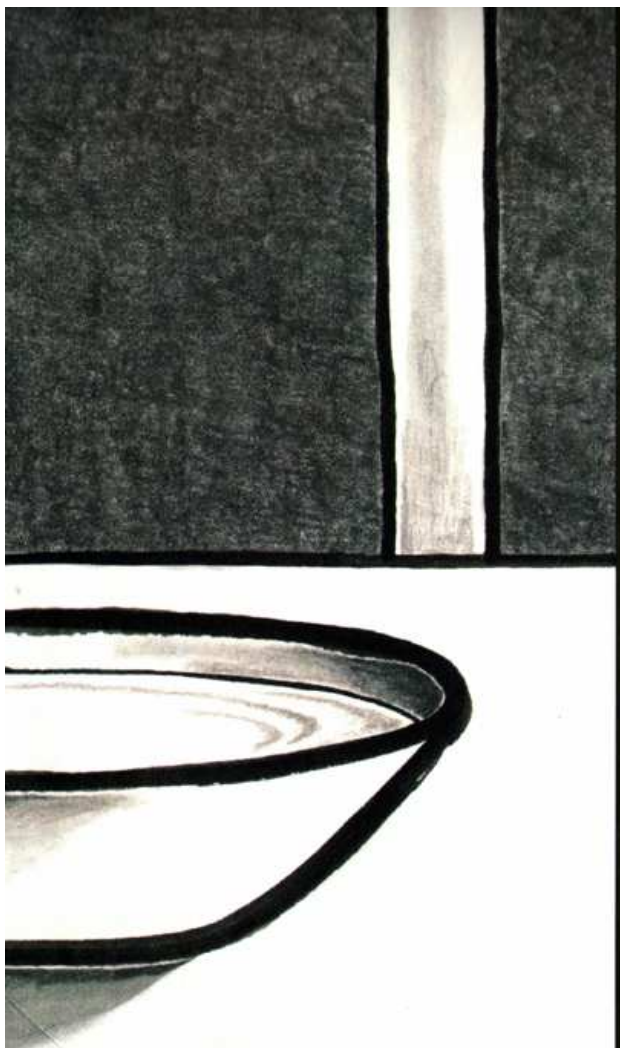
और वहां उसे
दूध से भरा ...

आँगन में रखा था

एक बड़ा कटोरा दिखाई दिया,

जैसे वो उसका ही इंतजार कर रहा हो.

खुशकिस्मत बिल्ली!

क्या
रात
थी!
US $15.99 / $19.99 CAN